कोसी परियोजना के कार्यान्वयन के कारण विस्थापित हुए व्यक्ति

4376. **श्री विनायक प्रसाद यादव :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ।

(क) क्या यह सच है कि बिहार मे कोसी परियोजना के कार्यान्वयन से लगभग 5 से 6 लाख व्यक्ति विस्थापित हो गये है यानी उजड गये है,

(ख) क्या यह भी सच है कि उनके आर्थिक पुनर्वास के लिए अभी तक कोई कारगर और ठोस कार्रवाई नही की गई है

(ग) यदि उपरोक्त (क) और (ख) का उत्तर हाँ मे है तो इस सबध मे सरकार कब तक व्यवस्था कर रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) कोसी के पूर्वी और पश्चिमी तटबधो के कारण 301 गावो मे लगभग 2,58,000 व्यक्ति प्रभावित हुए हैं ।

(ख) और (ग) बिहार सरकार ने सूचित किया है कि बिहार सरकार द्वारा 1957–58 मे तैयार की गई पुनर्वास स्कीम मे आवास गृहो को अधिक सुरक्षित स्थानो पर ले जाने की लेकिन लोगो को अपनी आजीविका के पुराने साधनो को अपनाये रखने की अनुमति देने की परिकल्पना की गई थी । जिस प्रकार कोसी परियोजना के निर्माण से पहले दोनो तटबधो के बीच की जमीन पर खेती की जाती थी उसी प्रकार अब भी खेती किए जाने की छूट है । परियोजना अनुमानो मे प्रभावित लोगो के पुनर्वास के लिए 2 13 करोड रुपये की व्यवस्था की गई थी इसमे से लगभग 1 78 करोड रुपये व्यय किया जा चुका है 1 13 करोड रुपये मकानो के निर्माण के लिए अनुदान देने पर और 0 65 करोड रुपये सडको, तालाबो, कुओ, सामुदायिक केन्द्रो, स्कूलो और मन्दिरो आदि जैसी सुविधाओ पर । इन लागो के पुनर्वास के लिए तटबधो के बाहर 3,060 एकड भूमि प्राप्त की गई है जिसमे 1278 एकड मे भूमि आवटित की जा चुकी है । अब तक 3,759 परिवारो को मकान बनाने के लिए ऋण दिए जा चुके है ।

हेलीकाप्टरों से कीटनाशक दवाइयों का छिडकाव

4377. **श्री दयाराम शाक्य :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि ।

(क) कीटनाशक दवाइया छिडकने के लिये किन-किन राज्यो मे हेलीकाप्टरो का उपयोग किया गया तथा शेष राज्यो मे छिडकाव करने के लिये सरकार ने क्या तरीके अपनाए है और

(ख) क्या सरकार ने कीटनाशक दवाइयो के छिडकाव के लिये विमानो का अन्य साधन उपलब्ध कराने के लिये भी कोई उपाय किये है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) (क) वर्ष 1977–78 के दौरान पजाब हरियाणा, राजस्थान गुजरात आध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र केरल, कर्नाटक तथा गोवा राज्यो मे कीटनाशी दवाओ का हवाई छिडकाव करने के लिये हैलीकाप्टरो का प्रयोग किया गया था । शेष राज्यो अर्थात उडीसा मणिपुर तथा उत्तर प्रदेश मे (जहा हवाई छिडकाव किया गया था) हवाई छिडकाव हुआ था, फिक्स्ड विंग के जहाजो का काम मे लाया गया था । पजाब हरियाणा, राजस्थान, गुजरात आध्र प्रदेश तथा कर्नाटक